जयपुर, शनिवार, 10 मई 2003

राजस्थान पत्रिका

6 मैट्रो पत्रिका

प्रख्यात कोरियोग्राफर एश्ले लोबो के शिष्य शुक्रवार को बिड़ला सभागार में पाश्चात्य नृत्य की प्रस्तुति देते हुए।

पश्चिमी व भारतीय शास्त्रीय संगीत का नया रूप

संगीत महोत्सव सम्पन्न

जयपुर, 9 मई

नीरजा मोदी स्कूल का संगीत महोत्सव शुक्रवार को यहां प्रख्यात कोरियोग्राफर एश्ले लोबो के शिष्यों की प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न हुआ।

लोबो के शिष्यों ने पश्चिमी संगीत पर आधारित 'जाज' की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोहा, वहीं भरतनाट्यम व पश्चिमी संगीत का मिलाजुला रूप पेश कर रोमांच का अहसास कराया। पल-पल रंग बदलता पर्दा भी शोभा बढ़ाने में कसर नहीं छोड़ रहा था। बिड़ला सभागार में हुए संगीत महोत्सव में नीरजा मोदी स्कूल के करीब 600 छात्र-छात्राओं ने अलग-अलग समूह बनाकर मंच पर प्रस्तुतियां दी। कई समूहों ने दाद बटोरी। एक समूह ने 'आई हैव ए ड्रीम...' गीत प्रस्तुत कर सपनों की दुनिया में ले जाने का प्रयास किया तो एक अन्य समूह में शामिल छात्र-छात्राओं ने 'वन्स अपोन ए टाइम ...'गीत सुनाया। करीब एक दर्जन समूह गीत व अन्य सांगीतिक प्रस्तुतियां दी गई। एश्ले लोबो निर्णायक की भूमिका में बैठे थे।

अब पैर पसारेगा पश्चिमी संगीत

जयपुर, 9 मई। दुनिया में संगीत की आत्मा एक है, चाहे धुन और स्वर बदल जाएं! प्रख्यात डांसर एश्ले लोबो इसी बात को मन में बिठाकर शास्त्रीय और पश्चिमी संगीत से मिलकर सामने आने वाले नए रूप की छटा भारत के छोटे से छोटे शहर व गांव को दिखाने के मिशन में लगे हैं। जयपुर में 23 मई से इसी मकसद को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। लोबो ने शुक्रवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, एक समय था जब भारत में रहने वालों को अपनी संगीत और नृत्य की प्रतिभा दिखाने के लिए मंच नहीं था। उस समय दूरदर्शन चैनल ही लोगों के मनोरंजन की सामग्री परोस रहा था, लेकिन आज चैनलों की भरमार है। इसने यहां संगीत और नृत्य के लिए नए द्वार खोले हैं। कुछ नया कर दिखाने की तमन्ना लेकर वे 1994 में आस्ट्रेलिया से पश्चिमी संगीत और नृत्य की विधाओं का ज्ञान हासिल कर अपने वतन लौट आए। करीब पांच साल बाद दी डांसवर्क्स परफॉर्मिंग आर्ट्स अकादमी की नींव रखी, तब से पश्चिमी संगीत, नृत्य में रुचि रखने वालों को अपने ज्ञान से लाभान्वित कर रहे हैं।